चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	30-01-25	4	5-6

हकृवि की उन्नत किस्मों से किसान हो रहे लाभान्वित

हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ कंपनी व विश्वविद्यालय के अधिकारीगण • पीआरओ

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की तरफ से विकसित की गई विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों में अपना परचम लहरा रही है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद की नामी बीज कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा किया गया शोध किसानों के पास तत्काल पहुंचना चाहिए। विश्वविद्यालय का प्रयास है कि इस तरह के समझौते से विकसित कि गई उन्नत किस्में व तकनीक अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाई जा सके। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी-67 संशोधित 2 किस्म का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि इस किस्म का विश्वसनीय बीज उन्हें मिल सके और उनकी पैदावार में इजाफा हो सके।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का मुरलीधर सीड्स कारपोरेशन हैदराबाद के साथ समझौता हुआ है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में एमओयू साइन हुआ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	30-01-25	9	5-7

हकृवि की बाजरे की दो किस्मों का हैदराबाद की कंपनी से समझौता

हिसार, 29 जनवरी (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों में अपना परचम लहरा रही हैं।

इसी कड़ी में विश्वविद्यालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद की नामी बीज कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा किया गया शोध किसानों के पास तत्काल पहुंचना चाहिए। विश्वविद्यालय का प्रयास है कि इस तरह के समझौते से विकसित कि गई उन्नत किस्में व तकनीक अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाई जा सके।

उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी-67 संशोधित 2 किस्म का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि इस किस्म का विश्वसनीय बीज उन्हें मिल सके और उनकी पैदावार में इजाफा हो सके। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का मुरलीधर सीड्स कॉरपोरेशन, हैदराबाद के साथ समझौता हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कंपनी के अधिकारी व विश्वविद्यालय के अधिकारी। -हप्र

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने जबकि मुरलीधर सीड्स कॉरपोरेशन की तरफ से कंपनी के सीईओ मुरलीधर रेड्डी ने हस्ताक्षर किए।

कुलपति ने कहा- उन्नत किस्मों से किसान हो रहे लाभान्वित

बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि इस नई विकसित संकर किस्म एचएचबी-67 संशोधित-2 में एचएचबी 67 संशोधित के सभी गुण जैसे अतिशीघ्र पकना, शुष्क रोधिता, दाने व चारे की अच्छी गुणवत्ता, अगेती, मध्यम व पछेती बुवाई के लिए उपयुक्तता आदि विद्यमान हैं। इसके दाने व सूखे चारे की औसत उपज क्रमशः 8.0 क्विंटल तथा 20.9 क्विंटल प्रति एकड़ है। यह नई संशोधित संकर किस्म बेहतर प्रबंधन से और भी अच्छे परिणाम देती है व बाजरा की अन्य बीमारियों के रोगरोधी है। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, डॉ. देवव्रत, डॉ. गजराज, डॉ. रेणू मुंजाल, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. विनोद मलिक, डॉ. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. अनुराग उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	30-01-25	9	1-4

किसानों को मिलेगी बाजरे की उन्नत किस्म

एचएयू का हैदराबाद की कंपनी से समझौता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों में अपना परचम लहरा रही हैं। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद की नामी बीज कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा किया गया शोध किसानों के पास तत्काल पहुंचना चाहिए। विवि का प्रयास है कि इस तरह के समझौते से विकसित कि गई उन्नत किस्में व तकनीक अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचे। समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी-67 संशोधित 2 किस्म का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी, ताकि इस किस्म का विश्वसनीय बीज उन्हें मिल सके और उनकी पैदावार में इजाफा हो सके।

इस कंपनी से समझौता

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार का मुरलीधर सीड्स कॉरपोरेशन, हैदराबाद के साथ समझौता हुआ है। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने जबकि मुरलीधर सीड्स कॉरपोरेशन की तरफ से कंपनी के सीईओ मुरलीधर रेड्डी ने हस्ताक्षर किए।

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर एचएयू के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, डॉ. देवव्रत, डॉ. गजराज, डॉ. रेणू मुंजाल, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. विनोद मलिक, डॉ. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. अनुराग उपस्थित रहे।

किस्म में यह है खासियत

बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि एचएचबी-67 संशोधित-2 किस्म पहले वाली किस्म एचएचबी 67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत रूपांतरण है। यह संकर किस्म हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के बारानी क्षेत्रों में आम काश्त के लिए 2021 में अनुमोदित की गई थी। एचएचबी-67 संशोधित के नर जनक एच 77/833-2-202 को चिन्हित (मार्कर) सहायक चयन द्वारा जोगिया रोग प्रतिरोधी बनाया गया है। इस नई विकसित संकर किस्म एचएचबी-67 संशोधित-2 में एचएचबी 67 संशोधित के सभी गुण जैसे अतिशीघ्र पकना, शुष्क रोधिता, दाने व चारे की अच्छी गुणवत्ता, अगेती, मध्यम व पछेती बुवाई के लिए उपयुक्तता आदि विद्यमान हैं। इसके दाने व सूखे चारे की औसत उपज क्रमशः 8.0 क्विंटल तथा 20.9 क्विंटल प्रति एकड़ है। यह नई संशोधित संकर किस्म बेहतर प्रबंधन से और भी अच्छे परिणाम देती है व बाजरा की बीमारियों के रोगरोधी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	30.01.25	3	3-4

बाजरे की एचएचबी-67 संशोधित 2 किस्म को लेकर एचएयू का हैदराबाद की कंपनी से एमओयू

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद की बीज कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। विवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी-67 संशोधित 2 किस्म का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी। एचएयू का मुरलीधर सीड्स कॉरपोरेशन, हैदराबाद के साथ समझौता हुआ है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में विवि की ओर से समझौता ज्ञापन पर एचएयू के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने जबकि मुरलीधर सीड्स कॉरपोरेशन की तरफ से कंपनी के सीईओ मुरलीधर रेड्डी ने हस्ताक्षर किए। बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि एचएचबी-67 संशोधित-2 किस्म पहले वाली किस्म एचएचबी 67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत रूपांतरण है। यह संकर किस्म हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के बारानी क्षेत्रों में आम काश्त के लिए 2021 में अनुमोदित की थी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	30-01-25	6	6-8

हकृवि की उन्नत किस्मों से किसान हो रहे लाभान्वित : प्रो. बी.आर. काम्बोज

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कंपनी के अधिकारी व विश्वविद्यालय के अधिकारीगण।

हिसार, 29 जनवरी (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों में अपना परचम लहरा रही हैं। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद की नामी बीज कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा किया गया शोध किसानों के पास तत्काल पहुंचना चाहिए। विश्वविद्यालय का प्रयास है कि इस तरह के समझौते से विकसित कि गई उन्नत किस्में व तकनीक अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाई जा सके। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी-67 संशोधित 2 किस्म का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि इस किस्म का विश्वसनीय बीज उन्हें मिल सके और उनकी पैदावार में इजाफा हो सके।

इस कंपनी के साथ हुआ समझौता : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का मुरलीधर सीड्स कॉरपोरेशन, हैदराबाद के साथ समझौता हुआ है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने जबकि मुरलीधर सीड्स कॉरपोरेशन की तरफ से कंपनी के सीईओ मुरलीधर रेड्डी ने हस्ताक्षर किए। बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि एचएचबी-67 संशोधित-2 किस्म पहले वाली किस्म एचएचबी 67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत रूपांतरण है। यह संकर किस्म हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के बारानी क्षेत्रों में आम काश्त के लिए 2021 में अनुमोदित की गई थी। एचएचबी-67 संशोधित के नर जनक एच 77/833-2-202 को चिन्हित (मार्कर) सहायक चयन द्वारा जोगिया रोग प्रतिरोधी बनाया गया है। इस नई विकसित संकर किस्म एचएचबी-67 संशोधित-2 में एचएचबी 67 संशोधित के सभी गुण जैसे अतिशीघ्र पकना, शुष्क रोधिता, दाने व चारे की अच्छी गुणवत्ता, अगेती, मध्यम व पछेती बुवाई के लिए उपयुक्तता आदि विद्यमान हैं। इसके दाने व सूखे चारे की औसत उपज क्रमश: 8.0 क्विंटल तथा 20.9 क्विंटल प्रति एकड़ है।

यह नई संशोधित संकर किस्म बेहतर प्रबंधन से और भी अच्छे परिणाम देती है व बाजरा की अन्य बीमारियों के रोगरोधी है। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, डॉ. देवव्रत, डॉ. गजराज, डॉ. रेणू मुंजाल, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. विनोद मलिक, डॉ. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. अनुराग उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	30-01-25	4	7-8

हकृवि की उन्नत किस्मों से किसान हो रहे लाभान्वितः प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कंपनी के अधिकारी व विश्वविद्यालय के अधिकारीगण।

हिसार, 29 जनवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों में अपना परचम लहरा रही हैं। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद की नामी बीज कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा किया गया शोध किसानों के पास तत्काल पहुंचना चाहिए।

विश्वविद्यालय का प्रयास है कि इस तरह के समझौते से विकसित कि गई उन्नत किस्में व तकनीक अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाई जा सके। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी-67 संशोधित 2 किस्म का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि इस किस्म का विश्वसनीय बीज उन्हें मिल सके और उनकी पैदावार में इजाफा हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	30-01-25	6	6-8

दैनिक भास्कर

फूल खेती प्रति एकड़ 2 किलोग्राम बीज डाल सकते हैं किसान, पहले उपचारित करें

सूरजमुखी की बिजाई का यह उपयुक्त समय, 1 एकड़ में 30 क्विंटल तक पैदावार ले सकेंगे

यशपाल सिंह | हिसार

सूरजमुखी फसल की बिजाई मुख्यत: कुरुक्षेत्र, अम्बाला, करनाल, यमुनानगर और पंचकूला जिलों में की जाती है। इसकी अधिकतम उत्पादन क्षमता 30 क्विंटल प्रति एकड़ ली जा सकती है। जिन क्षेत्रों में सूरजमुखी के बाद कपास की फसल लेनी हो वहां पर सूरजमुखी की बिजाई जनवरी के दूसरे पखवाड़े में कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि कम्पोजिट किस्मों का 4 किलोग्राम व संकर किस्मों का 1.5 से 2 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ के हिसाब से 4-6 घंटे पानी में भिगोएं। इसे छाया में सुखाकर कतारों में 45 सेंटीमीटर व पौधों में 30 सेंटीमीटर के अंतर पर 3 से 5 सेंटीमीटर गहराई पर बोएं। संकर किस्मों का 1.5 से 2 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ 8 घंटे पानी में भिगोकर फिर छाया में सुखाकर कतारों में 60 सेंटीमीटर व पौधों में 30 सेंटीमीटर के फासले पर व 3 से 5 सेंटीमीटर की गहराई पर बोएं। डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि 12 किलोग्राम नाइट्रोजन 30 किलोग्राम यूरिया व 16 किलोग्राम फास्फोरस 100 किलोग्राम सुपर फास्फेट या 35 किलोग्राम डीएपी प्रति एकड़ बिजाई के समय डालें। संकर किस्मों में 45 किलोग्राम यूरिया व 125 किलोग्राम एसएसपी डालें।

इन उन्नत किस्मों का करें चयन

उन्नत किस्मों में समय पर बिजाई के लिए संकर किस्मों केबीएसएच-1, पीएसी-36, एमएसएफएच-8, पीसीएसएच-234, केबीएसएच-44, पीएसएच-1962, एचएसएफएच-848 का बीज इस्तेमाल करें। पछेती बिजाई के लिए एमएसएफएच 17, पीएसी 1091, सनजीन 85, प्रोसन 9 और एचएसएफएच-848 उपयुक्त हैं।

कटुआ सुंडी का आक्रमण हो तो खेत की सिंचाई करें

तिलहन अनुभाग के इंचार्ज डॉ. रामावतार के अनुसार यदि कटुआ सुंडी का आक्रमण हो तो खेत की सिंचाई करें या 10 किलोग्राम फेनवालरेट 0.4 प्रतिशत प्रति एकड़ डालें। इसके अलावा 80 मिली. फेनवालरेट 20 ईसी. या 50 मिली. सायपरमेथ्रिन 25 ईसी. या 150 मिली. डेकामेथ्रिन 2.8 ईसी. को 100 से 150 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़कें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	29.01.25		

बाजरे की एचएचबी-67 संशोधित 2 किस्म का हैदराबाद की नामी कंपनी से हुआ एमओयू

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों में अपना परचम लहरा रही हैं। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद की नामी बीज कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा किया गया शोध किसानों के पास तत्काल पहुंचना चाहिए। विश्वविद्यालय का प्रयास है कि इस तरह के समझौते से विकसित कि गई उन्नत किस्में व तकनीक अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाई जा सके। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी-67 संशोधित 2 किस्म का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि इस किस्म का विश्वसनीय बीज उन्हें मिल सके और उनकी पैदावार में इजाफा हो सके।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कंपनी के अधिकारी व विश्वविद्यालय के अधिकारीगण।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का मुरलीधर सीड्स कॉरपोरेशन, हैदराबाद के साथ समझौता हुआ है। कुलपति की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने जबकि मुरलीधर सीड्स कॉरपोरेशन की तरफ से कंपनी के सीईओ मुरलीधर रेड्डी ने हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, डॉ. देवव्रत, डॉ. गजराज, डॉ. रेणू मुंजाल, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. विनोद मलिक, डॉ. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. अनुराग उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	30.01.25		

बाजरे की एचएचबी-67 संशोधित 2 किस्म का हैदराबाद की नामी कंपनी से हुआ समझौता

- हकृवि की उन्नत किस्मों से किसान हो रहे लाभान्वित : कुलपति

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कंपनी के अधिकारी व विश्वविद्यालय के अधिकारीगण।

सवेरा न्यूज/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 28 जनवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद की नामी बीज कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा किया गया शोध किसानों के पास तत्काल पहुंचना चाहिए। विश्वविद्यालय का प्रयास है कि इस तरह के समझौते से विकसित कि गई उन्नत किस्में व तकनीक अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाई जा सके। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी-67 संशोधित 2 किस्म का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि इस किस्म का विश्वसनीय बीज उन्हें मिल सके और उनकी पैदावार में इजाफा हो सके। बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि एचएचबी-67 संशोधित-2 किस्म पहले वाली किस्म एचएचबी 67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत रूपांतरण है। यह संकर किस्म हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के बारानी क्षेत्रों में आम काश्त के लिए 2021 में अनुमोदित की गई थी। एचएचबी-67 संशोधित के नर जनक एच 77/833-2-202 को चिन्हित (मार्कर) सहायक चयन द्वारा जोगिया रोग प्रतिरोधी बनाया गया है। इस नई विकसित संकर किस्म एचएचबी-67 संशोधित-2 में एचएचबी 67 संशोधित के सभी गुण जैसे अतिशीघ्र पकना, शुष्क रोधिता, दाने व चारे की अच्छी गुणवत्ता, अगेती, मध्यम व पछेती बुवाई के लिए उपयुक्तता आदि विद्यमान हैं। इसके दाने व सूखे चारे की औसत उपज क्रमशः 8.0 क्विंटल तथा 20.9 क्विंटल प्रति एकड़ है। यह नई संशोधित संकर किस्म बेहतर प्रबंधन से और भी अच्छे परिणाम देती है व बाजरा की अन्य बीमारियों के रोगरोधी है। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, डॉ. देवव्रत, डॉ. गजराज, डॉ. रेणु मुंजाल, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. विनोद मलिक, डॉ. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. अनुराग उपस्थित रहे।

इस कंपनी के साथ हुआ समझौता

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का मुरलीधर सीड्स कॉर्पोरेशन, हैदराबाद के साथ समझौता हुआ है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने जबकि मुरलीधर सीड्स कॉर्पोरेशन की तरफ से कंपनी के सीईओ मुरलीधर रेड्डी ने हस्ताक्षर किए।